भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2545

गुरूवार, 24 मार्च, 2022/3 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना

2545. श्री नारायण दास गुप्ताः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार वर्तमान में धार्मिक पर्यटन को वित्त पोषित करने के लिए योजनाएँ चला रही है और क्या परिव्यय को राज्य सरकारों के साथ साझा किया गया है;

(ख) तीर्थयात्रा कार्यकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान (प्रसाद) के अंतर्गत 15 राज्यों में स्वीकृत की गई 24 परियोजनाओं की स्थिति क्या है;

(ग) क्या स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत पहचाने गए 15 पर्यटक सर्किट पर पर्यटक संबंधी अवसंरचना को विकसित करने से जुड़े कार्य पूरे हो गए है और इसका कुल परिव्यय कितना है; और

(घ) विगत पाँच वर्षों के दौरान देश में पर्यटन क्षेत्र में किए गए ऐसे निवेशों से अनुमानित कितने रोजगार सृजित हुए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): तीर्थस्थान/धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास और रखरखाव मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय अपनी "प्रशाद" और "स्वदेश दर्शन" योजनाओं के तहत योजनाओं के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संबंधित राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर पहले से अभिज्ञात धार्मिक स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(ख): प्रशाद योजना के तहत 24 राज्यों में अनुमोदित 39 परियोजनाओं की सूची **अनुबंध-I** में दी गई है।

(ग): वर्तमान में "स्वदेश दर्शन" योजना के अंतर्गत 5507.40 करोड़ रु की लागत से कुल 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। विवरण **अनुबंध-II** में उपलब्ध है। परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने योजना के तहत विकसित की जा रही परियोजनाओं में प्रत्यक्ष रूप

से नियोजित लोगों की कुल संख्या का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया है। हालाँकि, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) द्वारा जुलाई, 2019 में 'स्वदेश दर्शन' योजना का एक तृतीय पक्ष प्रभाव मूल्यांकन किया गया था; जिसमें कहा गया है कि स्वदेश दर्शन योजना' निर्माण के चरण में स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाने और रोजगार सृजन में सक्षम रही है। "प्रशाद योजना" के तहत रोजगार आंकड़ों के संग्रह का प्रावधान एक बार की जाने वाली गतिविधि है जो संबंधित राज्यों द्वारा परियोजना के बंद होने और समापन दस्तावेज प्रस्तुत करने के समय प्रदान किए जाते हैं। मंत्रालय द्वारा कोई प्रारम्भिक आंकड़ों का संग्रह नहीं किया गया है। 2015 से मंत्रालय के पास उपलब्ध संबंधित राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किये गए रोजगार सृजन संबंधी द्वितीयक आंकड़े **अनुबंध-III** में दिए गए हैं।

****

अनुबंध -I

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना के सम्बन्ध में दिनांक 24.03.2022 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2545 के भाग (ख) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के अन्तर्गत अनुमोदित परियोजनाओं की स्थिति

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**परियोजना संख्या**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत (करोड़ रु में)**
1.	**आंध्र प्रदेश**	1.	पर्यटक गंतव्य के रूप में अमरावती टाउन, गुंटूर जिला का विकास**	2015-16	27.77
		2.	श्रीसेलम मंदिर का विकास**	2017-18	43.08
2.	**अरुणाचल प्रदेश**	3.	लोहित जिले में परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88
3.	**असम**	4.	गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर और इसके आस-पास तीर्थ गंतव्य का विकास **	2015-16	29.80
4.	**बिहार**	5.	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सुविधाओं का विकास **	2014-15	4.27
		6.	पटना साहेब का विकास **	2015-16	41.54
5.	**छत्तीसगढ़**	7.	मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर, राजनंदगांव, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ का विकास	2020-21	43.33
6.	**गुजरात**	8.	द्वारका का विकास **	2016-17	13.08
		9.	सोमनाथ में तीर्थस्थल सुविधाएं **	2016-17	45.36
		10.	प्रशाद योजना के अन्तर्गत सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास **	2018-19	47.12
		11.	सोमनाथ, गुजरात में क्यू मैनेजमेंट कॉम्प्लेक्स के साथ तीर्थयात्रा प्लाजा का विकास	2021-22	49.97
7.	**हरियाणा**	12.	पंचकुला जिले में नाडा साहेब गुरुद्वारा और माता मनसा देवी मंदिर का विकास	2019-20	49.52
8.	**जम्मू और कश्मीर**	13.	हजरतबल का विकास	2016-17	40.46

9.	**झारखंड**	14.	वैद्यनाथजी धाम, देवघर का विकास	2018-19	39.13
10.	**केरल**	15.	गुरूवायुर मंदिर का विकास**	2016-17	46.14
11.	**मध्य प्रदेश**	16.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	44.83
		17.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99
12.	**महाराष्ट्र**	18.	त्रिम्बकेश्वर का विकास	2017-18	37.81
13.	**मेघालय**	19.	मेघालय में तीर्थस्थल सुविधाओं का विकास	2020-21	29.32
14.	**नागालैंड**	**20.**	नागालैंड में तीर्थस्थल अवसंरचना का विकास	2018-19	25.26
15.	**ओडिशा**	21.	मेगा परिपथ के तहत पुरी, श्री जगन्नाथधाम – रामचंडी-देवली में प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना विकास	2014-15	50.00
16.	**पंजाब**	22.	अमृतसर में करूणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास**	2015-16	6.40
		23.	प्रशाद योजना के अंतर्गत रोपड़ पंजाब में चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57
17.	**राजस्थान**	24.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64
18.	**सिक्किम**	25.	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स पर तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32
19.	**तमिलनाडु**	26.	कांचीपुरम का विकास**	2016-17	13.99
		27.	वेलंकन्नी का विकास**	2016-17	4.86
20.	**तेलंगाना**	28.	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास	2020-21	36.73
21.	**त्रिपुरा**	29.	त्रिपुरा सुन्दरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	37.84
22.	**उत्तराखंड**	30.	केदारनाथ का एकीकृत विकास**	2015-16	34.77
		31.	प्रशाद योजना के तहत बद्रीनाथ जी धाम (उत्तराखण्ड) मेंतीर्थयात्रा सुविधा हेतु अवसंरचना विकास	2018-19	39.24
		32.	प्रशाद योजना के तहत(उत्तराखण्ड) में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं का संवर्द्धन	2021-22	54.36
23.	**उत्तर प्रदेश**	33.	मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-।।) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास **	2014-15	14.93

		34.	वृंदावन, जिला मथुरा में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण **	2014-15	9.36
		35.	वाराणसी का विकास– चरण-I **	2015-16	20.40
		36.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	10.72
		37.	प्रशाद योजना – चरण II के अन्तर्गत वाराणसी का विकास	2017-18	44.60
		38.	गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74
24.	**पश्चिम बंगाल**	39.	बेलूर का विकास	2016-17	30.03
			कुल		**1291.16**

** परियोजना का भौतिक निष्पादन पूरा हो गया है।

****

अनुबंध–II

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना के सम्बन्ध में दिनांक 24.03.2022 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2545 के भाग (ग) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के तहत परिपथ वार परियोजनाओं की सूची **(करोड़ रु में)**

क्र.सं.	**थीम का नाम**	**परियोजनाओं की संख्या**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
1.	पूर्वोत्तर परिपथ	10	836.30	669.77
2.	बौद्ध परिपथ	05	323.54	283.31
3.	हिमालयन परिपथ	07	603.04	460.59
4.	तटीय परिपथ	10	631.4	590.57
5.	कृष्णा परिपथ	02	173.15	138.52
6.	मरुस्थल परिपथ	01	50.01	51.17
7.	जनजातीय परिपथ	04	371.47	346.42
8.	इको परिपथ	06	451.04	358.29
9.	वन्यजीव परिपथ	02	186.9	171.09
10.	ग्रामीण परिपथ	02	125.02	59.49
11.	आध्यात्मिक परिपथ	13	750.13	499.11
12.	रामायण परिपथ	02	196.66	179.55
13.	विरासत परिपथ	10	756.48	619.96
14.	तीर्थंकर परिपथ	01	37.19	26.19
15.	सूफी परिपथ	0	0.00	0.00
16.	मार्गस्थ	01	15.07	12.29
	कुल	**76**	**5507.40**	**4466.32**

****

अनुबंध-III

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना के सम्बन्ध में दिनांक 24.03.2022 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2545 के भाग (घ) के उत्तर में **विवरण**

<u>प्रशाद रोजगार सृजन आंकड़े</u>

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**रोजगार सृजन (कार्य दिवस)**	
		प्रत्यक्ष	**अप्रत्यक्ष**
1	वेल्लंकिनी, तमिलनाडु का विकास	37896	2365
2	कांचीपुरम, तमिलनाडु का विकास	80244	5985
3	मथुरा टीएफसी, उत्तर प्रदेश का विकास	65652	15450
4	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि तीर्थ स्थल का विकास	18480	730
5	सोमनाथ, गुजरात में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	245800	11640
6	अमरावती, आंध्र प्रदेश का विकास	194160	27500
7	मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास (चरण-II)	97863	271
8	गुवाहाटी, असम में कामाख्या मंदिर और इसके आसपास - तीर्थ गंतव्य का विकास	47200	<u>0</u>
9	द्वारका, गुजरात का विकास	294	38
10	पुष्कर/अजमेर, राजस्थान का एकीकृत विकास	4995	<u>0</u>
11	प्रशाद योजना के तहत सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	203400	10950
12	श्रीशैलम	194170	27500
13	गया	0	25585
14	केरल के गुरुवायुर मंदिर का विकास	167239	22995
	कुल	**1357393**	**151009**

****